



قال رسول الله ﷺ: «عَفْرَانِكَ»
(عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ)
(عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ)

قال رسول الله ﷺ: «عَفْرَانِكَ» (عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ)
(عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ) (عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ)
(عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ)

قال رسول الله ﷺ: «عَفْرَانِكَ» (عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ)
(عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ) (عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ)
(عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ، عَفْرَانِكَ)

<https://www.sunnah.global/hadeeth/ta/show/10046>

